पाठ – पानी की कहानी

शब्दार्थ –

1. आश्चर्य का ठिकाना न रहा – हैरानी का अंत न होना
2. कलाई – हाथ का अगला हिस्सा
3. कण – बहुत छोटा अंश
4. सुरीली – मधुर ध्वनि
5. मुख – मुँह
6. फव्वारा – पानी की ऊँची धारा
7. एकाएक – अचानक
8. जड़ें – मूल
9. रोएँ – रेशेदार जड़
10. निर्दयी – जिनमें दया न हो
11. असंख्य – बहुत सारे
12. बलपूर्वक – मजबूर करना
13. अधिकांश – ज्यादातर
14. क्रोध – गुस्सा
15. घृणा – नफरत
16. असंख्य – बहुत सारे
17. बंधुओं – भाइयों/साथी
18. प्राण-नाश – मारे गए
19. खनिजों – पोशक तत्व
20. दुर्भाग्यवश – बुरी किस्मत
21. प्रयत्न – कोशिश
22. उत्सुकता – जिज्ञासा/जानने की इच्छा
23. कोठरी – छोटा कमरा
24. साँसत – कष्ट
25. भोगती – सहन करना
26. शक्ति – बल
27. वायुमंडल – पृथ्वी के चारों ओर का एक गोलकार आवरण
28. भाग्य – किस्मत
29. भरोसा – विश्वास

egyanarchive

30.सिकुड़ी – सिमटी
31.जान आई – निश्चिन्त होना
32.कूद – छलांग
33.भावपूर्ण – असरदार
34.प्रभाव – असर
35.विचित्र – अनोखा
36.परिपूर्ण – भरा हुआ
37.तनिक – थोड़ा सा
38.पुरखे – पूर्वज
39.हद्रजन – हाइड्रोजन
40.ओषजन – ऑक्सीजन
41.सूर्यमंडल – सूर्य का घेरा
42.लपटों – दहकना/जलना
43.मार्ग – पथ
44.विद्यमान – मौजूद
45.ब्रह्मांड – सृष्टि
46.उथल-पुथल – हलचल
47.वंशज – वंशधर
48.भयावह – भयानक
49.उज्ज्वल – चमक
50.सूर्य के धरातल – सूर्य का तल
51.प्रचंड – भयानक/तेज या बड़ा
52.प्रकाश-पिंड – आभा मंडल या उल्का
53.चौंधियाने – वह तेज चमक आँखों को सहन न हो
54.पिंड – गोला
55.आकर्षण-शक्ति – खींचने की शक्ति
56.ज्ञात – जानकारी
57.ग्रहराज – उल्का
58.चूर्ण – चूरा
59.सहस्रों – हजार
60.भीषण – डरावनी

egyanarchive

61.खिंचाव – आकर्षण
62.रासायनिक क्रिया – दो कैमिक्लस का आपस में प्रतिक्रिया
63.उत्पन्न – पैदा
64.प्रत्यक्ष – सामने
65.अस्तित्व – वजूद या हस्ती
66.भाप – वाष्प या ऊष्मा
67.ठोस – जो दबाने से न दबता हो

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. लेखक को ओंस की बूँद कहाँ मिली?
उत्तर: लेखक को बेर की झाड़ी पर ओंस की बूँद मिली।

प्रश्न 2. ओंस की बूँद क्रोध और घृणा से क्यों काँप उठी?
उत्तर: पेड़ों की जड़ों में निकले रोएँ द्वारा जल की बूँदों को बलपूर्वक धरती के भूगर्भ से खींच लाना व उनको खा जाना याद करते ही बूँद क्रोध व घृणा से काँप उठी।

प्रश्न 3. हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को पानी ने अपना पूर्वज/पुरखा क्यों कहा?
उत्तर: जब ब्रह्मांड में पृथ्वी व उसके साथी ग्रहों का उद्भव भी नहीं हुआ था तब ब्रह्मांड में हाइड्रोजन व ऑक्सीजन दो गैसें सूर्यमंडल में लपटों के रूप में विद्यमान थीं। ऑक्सीजन व हाइड्रोजन के बीच रासायनिक क्रिया हुई। दोनों के संयोग से पानी का जन्म हुआ। इसलिए बूँद ने इन दोनों को अपना पूर्वज कहा है।

egyanarchive

प्रश्न 4. "पानी की कहानी" के आधार पर पानी के जन्म और जीवन-यात्रा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
उत्तर: पानी का जन्म (ह्द्रजन) हाइड्रोजन व (ओषजन) ऑक्सीजन के बीच रासायनिक प्रक्रिया द्वारा होता है। जब ब्रह्मांड में पृथ्वी व उसके साथी ग्रहों का उद्भव भी नहीं हुआ था तब ब्रह्मांड में हाइड्रोजन व ऑक्सीजन दो गैसें सूर्यमंडल में लपटों के रूप में विद्यमान थीं। किसी उल्कापिंड के सूर्य से टकराने से सूर्य के टुकडें कड़े हो गए उन्हीं टुकड़ों में से एक टुकड़ा पृथ्वी रूप में उत्पन्न हुआ और इसी ग्रह में ऑक्सीजन व हाइड्रोजन के बीच रासायनिक क्रिया हुई और दोनों के संयोग से पानी का जन्म हुआ।
सर्वप्रथम बूँद भाप के रूप में पृथ्वी के वातावरण में ईद-गिर्द घूमती रहती है, तत्पश्चात ठोस बर्फ के रूप में विद्यमान हो जाती है। समुद्र से होती हुई वह गर्म-धारा से मिलकर ठोस रूप को त्यागकर जल का रूप धारण कर लेती है।

प्रश्न 5. कहानी के अंत और आरंभ के हिस्से को स्वयं पढ़कर देखिए और बताइए कि ओंस की बूँद लेखक को आपबीती सुनाते हुए किसकी प्रतीक्षा कर रही थी?

उत्तर: कहानी के अंत और आरंभ के हिस्से को पढ़कर यह पता चलता है कि ओंस की बूँद सूर्य उदय की प्रतीक्षा कर रही थी।

प्रश्न 6. समुद्र के तट पर बसे नगरों में अधिक ठंड और अधिक गरमी क्यों नहीं पड़ती?

उत्तर: समुद्र के तट पर बसे नगरों में अधिक ठंड और अधिक गरमी नहीं पड़ती क्योंकि वहाँ के वातावरण में सदा नमी होती है।

प्रश्न 7. पेड़ के भीतर फव्वारा नहीं होता तब पेड़ की जड़ों से पत्ते तक पानी कैसे पहुँचता है? इस क्रिया को वनस्पति शास्त्र में क्या कहते हैं?

उत्तर: पेड़ के भीतर फव्वारा नहीं होता तब पेड़ की जड़ों से पत्ते तक पानी पहुँचता है क्योंकि पेड़ की जड़ों व तनों में जाइलम और फ्लोएम नामक वाहिकाएँ होती हैं जो पानी जड़ों से पत्तियों तक पहुँचाती हैं। इस क्रिया को वनस्पति शास्त्र में 'संवहन' (ट्रांसपाईरेशन) कहते हैं।

भाषा की बात

प्रश्न 1. किसी भी क्रिया को पूरी करने में जो भी संज्ञा आदि शब्द संलग्न होते हैं, वे अपनी अलग-अलग भूमिकाओं के अनुसार अलग-अलग कारकों में वाक्य में दिखाई पड़ते हैं; जैसे – "वह हाथों से शिकार को जकड़ लेती थी।"
जकड़ना क्रिया तभी संपन्न हो पाएगी जब कोई व्यक्ति (वह) जकड़नेवाला हो, कोई वस्तु (शिकार) हो जिसे जकड़ा जाए। इन भूमिकाओं की प्रकृति अलग-अलग है। व्याकरण में ये भूमिकाएँ कारकों के अलग-अलग भेदों; जैसे – कर्ता, कर्म, करण आदि से स्पष्ट होती हैं।
अपनी पाठ्यपुस्तक से इस प्रकार के पाँच और उदाहरण खोजकर लिखिए और उन्हें भलीभाँति परिभाषित कीजिए।

उत्तर:

1- आगे एक और बूँद मेरा हाथ पकड़कर ऊपर खींच रही थी।
   मेरा – सबंध कारक
2- हम बड़ी तेजी से बाहर फेंक दिए गए।
   तेज़ी से – अपादान कारक
3- मैं प्रति क्षण उसमें से निकल भागने की चेष्टा में लगी रहती थी।
   मैं – कर्ता
4- वह चाकू से फल काटकर खाता है।
   चाकू से – करण कारक

egyanarchive

5- बदलू लाख से चूड़ियाँ बनाता है।
लाख से – करण कारक

egyanarchive